इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास ही तरक्की की ताकत: PM

मोदी ने वाराणसी से चार वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

■ **विकास पाठक, वाराणसी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि जिन देशों ने बहुत प्रगति और विकास देखा है, वहां बुनियादी ढांचे का विकास, प्रगति के पीछे बड़ी ताकत रहा है। भारत भी अब तेजी से उसी राह पर आगे बढ़ रहा है। कितने एयरपोर्ट बने और कितनी वंदे भारत ट्रेनें चली हैं, ये सभी चीजें विकास से जुड़ी हैं। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें देश की इंजिनियरिंग क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक हैं। ये ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार करने यानी ट्रांसफॉर्म करने का मजबूत कदम है। पीएम ने ये बातें शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में चार वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने के बाद आयोजित समारोह में कहीं।

मोदी ने कहा कि वंदे भारत भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए बनाई गई ट्रेन है, जो हर भारतीय को गर्व की अनुभूति करवाती है। शहर में रेलवे स्टेशन और गांव में सड़क बनने से विकास के द्वार खुलते हैं। विकास के साथ जुड़कर देश तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

'सब लोगन के हमार प्रणाम' : मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत 'नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव के जयकारे से की। भोजपुरी में बोले, बाबा विश्वनाथ के ई पावन नगरी में आप सब लोगन के हमार प्रणाम। उन्होंने कहा कि देश में तीर्थ यात्राएं केवल देवदर्शन का नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को जोड़ने वाली पवित्र परंपरा है।

कहां से कहां : 1. बनारस-खजुराहो 2. फिरोजपुर-दिल्ली 3. लखनऊ-सहारनपुर 4. एर्नाकुलम-बेंगलुरु

वाराणसी में शनिवार को समारोह के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी को वंदे भारत ट्रेन का मॉडल भेंट किया।

लखनऊ-सहारनपुर का सफर एक घंटे कम

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** पीएम मोदी के हरी झंडी दिखाने के बाद लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सीतापुर, शाहजहांपुर रूट होकर सहारनपुर पहुंची। लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत लगभग 7 घंटे 45 मिनट में यात्रा पूरी करेगी, जिससे यात्रा का लगभग 1 घंटा समय बचेगा। दूसरी ट्रेनें लखनऊ से सीतापुर का सफर 01:55 घंटे में पूरा करती हैं, वहीं वंदे भारत ने महज 01:10 घंटे का समय लिया। यह ट्रेन सोमवार को छोड़कर सप्ताह में बाकी सभी दिन चलेगी।

यशराज से सुनी कविता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत को रवाना करने के दौरान ट्रेन में सवार स्कूली बच्चों से संवाद भी किया। इस दौरान किसी ने पीएम के पैर छुए तो किसी ने अपनी भावनाओं को कविता के रूप में पेश किया। केंद्रीय विद्यालय कंचनपुर के छात्र यशराज ने विकसित भारत पर अपनी कविता सुनानी शुरू की तो प्रधानमंत्री उसके कंधे पर हाथ रखकर सुनते रहे। इस दौरान बच्चे का उत्साह बढ़ाने के लिए चुटकी भी बजाते रहे। उन्होंने ट्रेन में सवार बाकी बच्चों का भी उत्साह बढ़ाया।